रेड रिबन क्लब

रेड रिबन से आशय –

- ✓ रेड रिबन एक प्रतीक चिन्ह है – जो HIV/AIDS के विरूद्ध संघर्षरत लोगों की एकता को दर्शाता है।
- ✓ रेड रिबन प्यार का सूचक है – सभी HIV+ लोगो के प्रति सहानुभूति एवं प्यार व्यक्त करता है।
- ✓ रेड रिबन रक्त का सूचक है – उस व्यथा को व्यक्त करता है जो HIV /AIDS के कारण मृत्यु को प्राप्त हुए है।
- ✓ रेड रिबन चेतावनी का प्रतीक है – वर्तमान समय की सबसे बड़ी समस्या से जिसके प्रति हम लापरवाह या उपेक्षित नहीं बन सकते।
- ✓ रेड रिबन एचआईवी/एड्स के साथ जीवन जी रहे व्यक्तिों द्वारा महसूस की गई पीड़ा का प्रतीक हैं।

रेड रिबन क्लबों की आवश्यकता ?

युवाओं में तेजी से फैल रहे HIV/AIDS **को ध्यान में रखकर ''राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, नई दिल्ली''** (NACO) **ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के साथ समन्वय स्थापित कर एक कार्यक्रम प्रस्तावित किया गया। जिसमें** HIV/AIDS **के बारे में युवाओं को जागरूक करने के लिये विश्वविद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थाओं में युवाओं की एक श्रृंखला तैयार की जा सके। जिससे युवाओं को** HIV/AIDS **से बचाव हेतु जानकारी युक्त कार्यक्रम संचालित करना एवं स्वैच्छिक रक्तदान को बड़ावा देकर रक्त सुरक्षा को सुनिश्चित करना।**

रेड रिबन क्लब का उद्देश्य –

- HIV/AIDS के बारे में युवाओं को समुचित जानकारी देना
- एचआईवी संक्रमित लोगों के प्रति समानुभूति, कलंक तथा भेदभाव रहित वातावरण तैयार करना
- Peer Educators की क्षमता वृद्धि कर स्वस्थ एवं सुरक्षित जीवन जीने के बारे में सक्षम वातावरण तैयार करना।
- युवाओं को स्वैच्छिक रक्तदान हेतु प्रेरित करना।
- युवाओं को प्रोत्साहित करना ताकि HIV/AIDS के प्रति सही जानकारी लेकर समाज में उत्प्रेरक **(Agent)** के रूप में काम करते रहें।

रेड रिबन क्लब का कर्तव्य –

- HIV/AIDS, STI, यौन व्यवहार तथा सम्बंधित मुद्दों पर युवाओ के बीच जागरूकता बढ़ाना।
- युवाओं को (विशेषतः युवतियों को) सशक्त करना ताकि वह शोषन एवं शोषित होने की स्थिति को पहचाने एवं उस स्थिति से बच सके।
- संक्रमित लोगो के प्रति युवाओं में मदद एवं सहयोग की भावना पैदा करना।
- य़ुवाओं को स्वैच्छिक रक्तदान के लिये प्रेरित कर रक्तदान शिविर आयोजित और संचालित करना।
- युवाओं का एक समूह Peer Educator के रूप में तैयार करना
- साथ ही साथ क्लब का स्थायित्व सुनिश्चित करना।

क्लब के कार्यक्रम अधिकारी –

- यह अधिकारी महाविद्यालय के अध्यापक होंगे जा एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी के रूप में मनोनीत हैं।
- जिन शिक्षण संस्थाओं में एन.एस.एस. मौजूद नहीं है वहां पर उच्च अधिकारी एक अध्यापक को इस हेतु मनोनीत कर सकते है।
- कार्यक्रम अधिकारी, जिले में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ अधिकारी या अन्य अधिकारियों के साथ मिलकर काम करेंगे।
- यह अधिकारी स्वैच्छिक रूप से कार्यरत लोगों के माध्यम से शिक्षण संस्थाओं में क्लब के सदस्यों व अन्य युवाओं तक अपनी पहुँच बनाऐंगे।

शिक्षा विभाग के अधिकारी का उत्तरदायित्व –

- क्लब के गठन व गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु आवश्यक सहयोग प्रदान करना।
- महाविद्यालय के नियमित गतिविधियों/कार्यक्रमों में रेड रिबन क्लब एवं एच.आई.वी–एड्स के कार्यक्रमो को शामिल कराना।
- क्लब के स्थायित्व हेतु महाविद्यालय में उच्च स्तरीय बैठक करना।
- क्लब हेतु प्रस्तावित गतिविधियों/कार्यक्रमों का संचालन सुनिश्चित करना।
- महाविद्यालय की पत्रिका व अन्य प्रकाशनों में क्लब के सदस्यों के योगदान को प्रकाशित कर उनको प्रोत्साहित करना।

स्वास्थ विभाग के अधिकारी का उत्तरदायित्व –

- क्लब के गठन व गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु समय पर बजट एवं आवश्यक सहयोग प्रदान करना।
- यह सुनिश्चित करना कि महाविद्यालय के नियमित गतिविधियों/कार्यक्रमों में रेड रिबन क्लब एवं एच.आई.वी–एड्स की गतिविधियॉ शामिल हो रही है।
- क्लब के स्थायित्व हेतु समय–समय पर शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक करना।
- क्लब हेतु प्रस्तावित गतिविधियों/कार्यक्रमों का संचालन सुनिश्चित करना।
- क्लब के कार्यक्रमो की सतत् मॉनिटरिंग एवं सपोर्टिव सुपरविजन सुनिश्चित करना।
- समय पर MPSACS को भौतिक एवं वित्तीय रिपोर्ट प्रदान करना।

रेड रिबन क्लब का सदस्य –

- महाविद्यालय/संस्था के वह युवा जिनकी आयु 15 से 29 वर्ष के बीच के हो।
- रेड रिबन क्लब के सदस्य के रूप में पंजीकृत हों।
- एच.आई.वी./एड्स, स्वैच्छिक रक्तदान और इनसे संबंधित मुद्दों पर विस्तृत जानकारी प्राप्त करना।
- क्लब की गतिविधियों हेतु संसाधन जुटाना।

- नारे, पोस्टर, लोगो, हैण्डबिल संदेश, गीत, नाटक इत्यादि तैयार करना।
- महाविद्यालय/संस्था के परिसर व उसके बाहर भी प्रतियोगिताओं व कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी।
- अन्य युवा साथियों को भी क्लब के उद्देश्य व गतिविधियों से अवगत कराना।
- युवाओं के बीच Peer Educator के रूप में कार्य करना।
- स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देना तथा साथियों को रक्तदान में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना।
- एच.आई.वी. संक्रमित व्यक्तियों के अधिकारों के बारे में युवाओं को बताना।

अन्य गतिविधियां –

- प्रत्येक क्लब में एक पीयर एजुकेटर का समूह तैयार करना।
- पीयर एजूकेटरो के माध्यम से शेष छात्र–छात्राओं के बीच चर्चा करना।
- एच.आई.वी. एड्स, जेण्डर, नशा इत्यादि पर जागरूकता सत्र/वाद–विवाद प्रतियोगितायें, पोस्टर, नारे,/सेमिनार /प्रदर्शनी /रैली /समारोह आदि कार्यकम आयोजित करना।
- स्वैच्छिक रक्तदान हेतु तकनीकी सत्र एवं कैम्प आयोजित करना।
- पीयर एजुकेटर्स हेतु प्रशिक्षण।
- विश्व एड्स दिवस, युवा दिवस, स्वैच्छिक रक्तदान दिवस, महिला दिवस, विश्व रक्तदाता दिवस, नशा निरोधक दिवस में कार्यक्रम आयोजित करना।
- संकमित लोगो को कार्यकम के दौराण स्त्रोम व्यक्ति के रूप में आमंत्रित करना।
- आई.सी.टी.सी., सी.सी.सी., ड्राप–इन सेन्टर, ब्लड बैंक पर एक्सपोजर विज़िट।
- प्रत्यक आर आर सी में एक **Question Box** एवं **RRC Board** लगवाना।

रेड रिबन क्लब R.R.C. राष्ट्रीय सेवा योजना N.S.S. जि. होशगाबाद-म.प्र.	रेड रिबन क्लब म.प्र.राज्य एड्स निवारण समिति भोपाल सूचना शिक्षा तथा गतिविधि पंजीयक सदस्य- महाविद्यालय का नाम-शास.कन्या महाविद्या- पिपरिया
पत्र पेटी रेड रिबन क्लब	रेड रिबन क्लब